विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 27-06-2021

वर्ग- सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

निजकक्षे उपविश्य गृहकार्यं करोमि। पाठान् सम्पठ्य रात्रौ दूरदर्शनं पश्यामि। दूरदर्शनं दृष्ट्वा प्रसीदामि। दूरदर्शनं वीक्ष्य, रात्रौ भोजनं खादित्वा, जलं पीत्वा दशवादने मातुः पितुः च चरणौ स्पृष्ट्वा, स्वपिमि।

इयं मम दिनचर्या अस्ति।

विशेष

- **क्त्वा प्रत्यय**—इसका अर्थ होता है—'करके' या 'करकर'। इसका प्रयोग धातु के साथ किया जाता है। जैसे– गम् + क्त्वा = गत्वा (जाकर), पठ् + क्त्वा = पठित्वा (पढ़कर)।
- **तुमुन् प्रत्यय**—इसका अर्थ है—'के लिए'। इसका प्रयोग धातु के साथ किया जाता है। जैसे– खाद् + तुमुन् = खादितुम् (खाने के लिए), क्री + तुमुन् = क्रेतुम् (खरीदने के लिए)।
- **ल्यप् प्रत्यय**—इसका अर्थ है—'करके या करकर'। इसका प्रयोग उन धातुओं के साथ किया जाता है, जिनमें उपसर्ग लगा होता है। जैसे– उत् + स्था + ल्यप् = उत्थाय (उठकर), वि + ज्ञा + ल्यप् = विज्ञाय (जानकर)।
- क्त्वा, तुमुन् और ल्यप् प्रत्यय धातु के साथ लगकर अव्यय पद बनाते हैं। इनके रूप कभी भी परिवर्तित नहीं होते अर्थात् सभी विभक्तियों, पुरुषों, लिंगों और वचनों में समान रहते हैं।
- क्त्वा, तुमुन् और ल्यप् प्रत्यय लगाकर दो वाक्यों से एक वाक्य बनाते समय दोनों क्रियाओं में से पूर्व क्रिया में प्रत्यय लगाकर एक वाक्य बना लेते हैं। इसके अतिरिक्त दो कर्ता पदों में से एक कर्ता पद का लोप हो जाता है। जैसे– लक्ष्यः दूरदर्शनं पश्यति। लक्ष्यः सभाजनकक्षम् आगच्छति।

  एक वाक्य— लक्ष्यः दूरदर्शनं द्रष्टुं सभाजनकक्षम् आगच्छति।

शब्दकोश (Dictionary)

उत्थाय	उठकर	After rising	स्मृत्वा	याद करके	After learning
प्रदाय	देकर	After giving	आगत्य	आकर	After coming
स्वपिमि	मैं सोता हूँ	I sleep	वीक्ष्य	देखकर	After seeing
स्पृष्ट्वा	छूकर	After touching	दृष्ट्वा	देखकर	After seeing
नई धातुएँ					
स्वप्	सोना	To sleep	वि + ईक्ष्	देखना	To see
स्पृश्	छूना	To touch	प्र + दा	देना	To give

अभ्यासाः (Exercises)

1. **प्रदत्तविकल्पेभ्यः शुद्धम् उत्तरं चिनुत–**

दिए गए विकल्पों से शुद्ध उत्तर चुनिए–

Choose the correct answer from the given options.

(*i*) श्रु + तुमुन् = ...

(क) श्रुतुम् ☐ (ख) श्रोतुम् ☐ (ग) श्रोतुमुन् ☐

(*ii*) उप + गम् + ल्यप् = ...

(क) उपगमय ☐ (ख) उपगत्वा ☐ (ग) उपगम्य ☐

(*iii*) स्था + क्त्वा = ...

(क) स्थित्वा ☐ (ख) तिष्ठत्वा ☐ (ग) स्थात्वा ☐

(*iv*) रक्ष् + तुमुन् = ...

(क) रक्षित्वा ☐ (ख) रक्षाय ☐ (ग) रक्षितुम् ☐

(*v*) वि + स्मृ + ल्यप् = ...

(क) विस्मृत्वा ☐ (ख) विस्मृत्य ☐ (ग) विस्मराय ☐

2. **अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृते लिखत–**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

Answer the following questions in Sanskrit.

(*i*) उद्याने नमनः किं किं करोति? .....

(*ii*) नमनः किं कृत्वा विद्यालयं गच्छति? .....

(*iii*) नमनः कस्य चरणौ स्पृशति? .....

(*iv*) किं करणेन वृक्षाणां रक्षा भवति? .....

(*v*) नमनः किं श्रुत्वा उत्तिष्ठति? .....

3. **मञ्जूषायां प्रदत्तपदानां सहायतया रिक्तस्थानानि पूरयत–**

मञ्जूषा में दिए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान पूरे कीजिए–

Fill in the blanks with the help of the words given in the box.

मञ्जूषा– स्पृष्ट्वा, पातुम्, द्रष्टुम्, प्राप्य, श्रोतुम्

(*i*) जनाः प्राकृतिकसौन्दर्यं ..... पर्वतीयस्थलं गच्छन्ति।

(*ii*) पशवः जलं ..... नदीतटम् आगच्छन्ति।